

Biological Emergencies

A biological emergency occurs when germs are released during an accident or attack. Germs can be sprayed into the air or released in food or drinking water. These germs must be inhaled, absorbed through the skin or eaten to make people sick. Some germs can also be spread from person to person.

A biological emergency may not be noticed until health care workers find a pattern of illness. If so, local or state officials will let you know what signs to look for in reports on the television, radio and Internet.

During this type of emergency, you may not know if you were exposed to these germs, but it is important to stay calm and watch for signs. Signs depend on the type of germ but may include trouble breathing and signs of the flu. Do not assume that any illness is the result of the accident or attack. If you feel sick, call your doctor right away or go to the hospital.

During a Biological Emergency

Listen for reports on the television, radio or Internet.

- Local or state officials will tell you what signs to look for.
- Officials will tell you whether to stay inside or leave your home and if so, where to go.

If you see or suspect a release of an unknown substance:

1. Leave the area right away.
2. Cover your mouth and nose with fabric to filter the air but still allow breathing.
3. Take off your clothes and put them in a plastic bag. Seal the bag tightly.
4. Take a shower or wash your skin and hair well with soap and water.
5. Put on clean clothes.
6. Seek medical care.
7. Call the police if they are not aware of the biological emergency. They will take steps to help people avoid getting sick.

जैविकीय आपात स्थितियाँ

जैविकीय आपात स्थिति उस समय उत्पन्न होती है जब दुर्घटनावश अथवा आक्रमण के माध्यम से रोगाणु छोड़े जाते हैं। रोगाणुओं को हवा में छोड़ा जा सकता है अथवा भोजन या पीने के पानी में मिलाया जा सकता है। लोगों के बीमार होने हेतु इन रोगाणुओं का सांस के साथ शरीर में जाना, त्वचा द्वारा सोखा जाना अथवा भोजन के साथ निगला जाना आवश्यक है। कुछ रोगाणु एक व्यक्ति से अन्य व्यक्तियों तक फैल सकते हैं।

कोई रासायनिक आपात स्थिति संभवतः तब तक न पहचानी जाए जब तक स्वास्थ्य कर्मी बीमारी का कोई रुझान न पहचाने। यदि ऐसा होता है तो, स्थानीय अथवा राज्य प्रशासन के अधिकारी टेलीविजन, रेडियो एवं इंटरनेट पर रिपोर्टों के माध्यम से आपको जानकारी देंगे कि किन लक्षणों पर ध्यान दिया जाना है।

इस प्रकार की आपात स्थिति में संभव है, कि आप यह न जान पाएँ कि क्या आप इन रोगाणुओं से प्रभावित हुए थे। इसमें होने वाले लक्षण रोगाणु की किस्म पर निर्भर है परंतु इसमें सांस लेने में कठिनाई तथा पलू के लक्षण भी शामिल हो सकते हैं। स्वयं ऐसा न मान लें कि कोई बीमारी किसी दुर्घटना अथवा आक्रमण का परिणाम है। यदि आप बीमारी का अनुभव करते हैं, तो तुरंत अपने चिकित्सक से संपर्क करें या अस्पताल जाएँ।

जैविकीय आपात स्थिति के दौरान

टेलीविजन, रेडियो अथवा इंटरनेट पर रिपोर्टें देखें/सुनें।

- स्थानीय अथवा राज्य प्रशासन के अधिकारी आपको बताएंगे कि किन लक्षणों पर ध्यान देना है।
- अधिकारी आपको बताएंगे कि घर के भीतर रहना है अथवा घर से बाहर जाना है और यदि ऐसा है तो कहाँ जाना है।

यदि आप किसी अज्ञात पदार्थ को निकलता देखते हैं अथवा आपको ऐसी आशंका है तो:

1. तुरंत उस स्थान को छोड़ दें।
2. अपने मुँह तथा नाक को किसी टिशू से इस प्रकार ढक लें कि हवा उसमें से छनकर जाए, परंतु साँस लेना संभव हो।
3. अपने कपड़े उतारकर प्लास्टिक की एक थैली में रख दें। थैली को मजबूती से बंद कर दें।
4. स्नान करें अथवा अपनी त्वचा एवं बालों को पानी एवं साबुन से भली प्रकार साफ करें।
5. साफ कपड़े पहन लें।
6. चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें।
7. यदि पुलिस को जैविकीय आपात स्थिति की जानकारी नहीं है तो उनसे संपर्क करें। वे लोगों के बीमार होने से बचाव हेतु आवश्यक कदम उठाएँगे।

1/2007. Content developed through a partnership of the Central Ohio Trauma System, the Columbus Medical Association Foundation, Columbus Public Health, Franklin County Board of Health, Mount Carmel Health, Ohio State University Medical Center and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at www.healthinfotranslations.com.

Biological Emergencies. Hindi.